Name of Teacher: - Dr. Prathibha G. Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad
Department: - Hindi **Academic year-2022-23**
Program:- B.A. FY (SL-Hindi) Sem:- I **Course Code :- HIN - 1**
Paper Title: - साहित्याभारती - I

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड - क	कहानी विभाग	1 एक टोकरी भर मिट्टी- माधवराव सप्रे 2 ठाकुर का कुआं- प्रेमचंद 3 ममता- जयशंकर प्रसाद 4 गुल्की बन्नो- धर्मवीर भारती 5 ढाई बीघा जमीन- मृदुला सिन्हा 6 सिक्का बदल गया- कृष्णा सोबती	1 एक टोकरी भर मिट्टी- माधवराव सप्रे 2 ठाकुर का कुआं- प्रेमचंद 3 ममता- जयशंकर प्रसाद 4 गुल्की बन्नो- धर्मवीर भारती 5 ढाई बीघा जमीन- मृदुला सिन्हा 6 सिक्का बदल गया- कृष्णा सोबती
खण्ड - ख	काव्य विभाग	1 बॉधो न नाव इस ठॉव बंधु- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला 2 सखी, वे मुझसे कहकर जाते- मैथिलीशरण गुप्त 3 वीरों का कैसा हो वसंत- सुभद्रा कुमारी चौहान 4 हरि घॉस पर क्षणभर- अज्ञेय 5 प्याला- हरिवंशराय बच्चन 6 गीत नया गाता हूं- अटल बिहारी वाजपेयी	1 देश की आजादी के लिए लड़ रहे बलिदानी वीरों को दी जाने वाली सम्मान- भावना को समझाना! 2 समाज में पति से उपेक्षित पत्नी की, एक मनोदशा को ज्ञात करना! 3 संसार के भौतिक सुख- सुविधाओं में न बांधकर, प्रकृति के साथ मुक्त रूप में आध्यात्मिक जीवन जीने का संदेश! 4 शहरी जीवन की यांत्रिकता, तनाव, कुंठा, लूट- खसोट आदि से अपनी नीजता सुरक्षित रखकर प्रकृति के खुले और निर्मल वातावरण में जीवन के क्षण- क्षण को भरपूर जी लेने का संदेश! 5 मनुष्य ने जीवन में निरंतर आशावादी और सकारात्मकता से रहना चाहिए का संदेश! 6 मनुष्य ने अपने जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी संघर्ष करना 1
खण्ड - ग	प्रयोजनमूलक हिंदी	वृत्तांत लेखन: प्रारूप और उदाहरण	प्रयोजनमूलक हिंदी के वृत्तांत लेखन के शैद्धान्तिकता से रोजगार परक शिक्षा को समझना

Specify Course Outcome: द्वितीय भाषा हिंदी के रूप में हिंदी भाषा और साहित्य से अवगत होकर, कालानुरूप परिवर्तित कहानी एवं साहित्य की प्रवृत्ति गत संवेदनाओं को समझना! साहित्य के माध्यम से माननीय नैतिक मूल्यों तथा व्यवहारिक ज्ञान से अवगत होना! जीवन के प्रति सकारात्मक और रचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना प्रयोजनमूलक हिंदी की वृतांत- लेखन कला समझना!

Specify Program Outcome: जमींदारों का दयनीय प्रजा पर किए जाने वाले अन्याय और शोषण को

समझना, सामाजिक परिवेश की जाति भेद की समस्या से ज्ञात होकर, उससे निर्मूलन के प्रयास को समझना, राष्ट्रीय, धार्मिक स्वाभिमान के साथ मानवीय कर्तव्य से अवगत होना, पुरुष प्रधान समाज में पारंपारिक रूप में स्त्री की होनेवाली प्रवचना को समझना, भारतीयों ने शहरीकरण, वैश्वीकरण और औद्योगिकरण के मायाजाल से मुक्त होकर, जीवन जीने के आधार स्रोत गांव एवं गांव की खेती को समझने का संदेश, आजादी के लिए लड़ रहे बलिदानी वीरों के प्रति सम्मान भावना को समझना, समाज मे पति से उपेक्षित पत्नी की एक स्त्री की मनोदशा से ज्ञात होना, ससारिक भौतिक सुख सुविधा में न बांधकर प्राकृतिक आध्यात्मिक जीवन जीने के संदेश को समझना, शहरी जीवन की यांत्रिकता तनाव, कुंठा आदि से अपनी निजता सुरक्षित रख प्रकृति के खुले और निर्मल वातावरण में जीवन के प्रत्येक क्षण को भरपुर जी लेने के संदेश से अवगत होना, मनुष्य ने जीवन में निरंतर आशावादी और सकारात्मक रहना चाहिए, जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी संघर्ष कर प्रसन्न रहना चाहिए, को समझना आदि! प्रयोजनमूलक हिंदी के वृत्तांत लेखन कला की सैद्धांतिकता से रोजगारपरक शिक्षा को समझना l

Signature of Teacher

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad
Department :- Hindi
Program :- B.A. FY (SL-Hindi) Sem:- II Course Code :- HIN - 7

Paper Title : - साहित्याभारती - II

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड - क	कहानी विभाग	1 उसने तो नहीं कहा था-शैलेश मटियानी 2 आशीर्वाद- सुषमा सिंह 3 जरा समझो- सुशीला टाकभोरे 4बेठन- नीरजा माधव 5 मंडन मिसिर की खुरपी- सूर्यनाथ सिंह 6 हत्या- बरखा राजेश शर्मा	1 प्रेम -भाव के कोण और मातृभूमि की रक्षा करने के कर्तव्य को समझना! 2 वर्तमान आधुनिक महानगरीय मध्यवर्गीय परिवार के परिवेश और स्थितियों हो यथार्थता से समझना! 3 आपसी भेद-भाव को मिटाकर सामाजिक समानता स्थापित करने के भाव को समझना! 4 आर्थिक विषमता में भूख और अभाव से संघर्ष करते बच्चे की मनोवैज्ञानिक ता तथा वर्तमान संवेदना शुन्य शिक्षा पद्धति को समझना! 5 वृद्ध -विमर्श के साथ महानगरीय जीवन -बोध के यथार्थ पहलुओं को समझना! 6 शोषक साहूकारों और कर्मकांड के लिए प्रवृत्त करने वाले धर्म के ठेकेदारों को लताड़ ने तथा संयम- विवेक, संघर्ष से जिम्मेदारियों को निभाते हुए किसानों ने अपने जीवन में आशावादी होने की भावना को किसान -विमर्श के अंतर्गत समझना!
खण्ड - ख	काव्य विभाग	यह वह भारतवर्ष नहीं है-उदय प्रताप सिंह 2 माॅ के लिए, ससुराल जाने से पहले- निर्मला पुतुल 3 गजल- जहीर कुरेशी 4 चुनाव- डॉ .अनुजप्रताप सिंह 5 सपना - डॉ.कर्मानंद आर्य 6 मारे जाएंगे- राजेश जोशी	1 वर्तमान भारत की दुर्दशा को देखकर उसमें सुधार लाने के संदेश को समझना! 3 गजलों में अभिव्यक्त वर्तमान आधुनिकता, अंधानुकरण, पक्षधर न्याय प्रणाली दलित और नारी- शोषण की यथार्थता को समझना! 6 वर्तमान व्यवस्था की अराजकता को समझना! 4 भारतीय प्रजातंत्र और चुनाव- प्रक्रिया को ज्ञात करना! 2आदिवासी जन -जीवन, मां बेटी का रिश्ता तथा मायके में बेटी के अस्तित्व को समझना! 5 भारतीय संविधान के आधार पर भारतीय समाज सामाजिक धार्मिक तथा आर्थिक विषमता से मुक्त करने के सपने की भावना को समझना!
खण्ड -	प्रयोज	पत्र लेखन: स्वरूप	हिंदी की पत्र लेखन कला का समर्थन से सैद्धांतिक अध्ययन पर उसके

ग	नमूलक हिंदी	एवं प्रारूप, आवेदन पत्र पारिवारिक पत्र	आवेदन पत्र तथा पारीक पत्र प्रकार के लेखन कौशल से अवगत होना 1

Specify Course Outcome: द्वितीय भाषा हिंदी के द्वारा हिंदी भाषा साहित्य को समझना तथा उसके द्वारा मन -मस्तिष्क परिष्कृत कर जीवन में आनंद लेना प्रयोजनमूलक हिंदी की पत्र लेखन कला से अवगत होना!

Specify Program Outcome: प्रेम -भाव कोणो के साथ मातृभूमि का रक्षा करने के संदेश को समझना वर्तमान आधुनिक महानगरीय मध्यवर्गीय परिवार के परिवेश तथा स्थितियो से वस्तुतः अवगत होना, आपसी भेद-भाव को मिटाकर सामाजिक समता प्रस्थापित करना, आर्थिक विपन्नता मे भूख और अभाव से संघर्ष करते बच्चे की बाल मनोवैज्ञानिकता एवं वर्तमान संवेदना शुन्य शिक्षा पद्धति से ज्ञात होना, वृद्ध- विमर्श और महानगरीय जीवन -बोध के यथार्थ पहलुओं को समझना, शोषक साहूकारों एवं कर्मकांड के लिए प्रवृत्त करने वाले धर्म के ठेकेदारों को लताड़ना संयम, विवेक, संघर्ष से जिम्मेदारियों को निभाते हुए किसानों ने आशावादी होने की भावना को समझाना, वर्तमान भारत की दुर्दशा को दूर कर उसमें सुधार लाने की भावना को समझना, वर्तमान अत्याधुनिकता, अंधानुकरण, पक्षधर न्यायप्रणाली, दलित तथा स्त्री- शोषण की यथार्थता व्यवस्था की अराजकता से अवगत होना, भारतीय प्रजातंत्र एवं चुनाव -प्रक्रिया से ज्ञात होना, आदिवासी जन- जीवन मां- बेटी का रिश्ता तथा मायके में बेटी को समझना, भारतीय सविधान के आधार पर भारतीय समाज सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक विषमता से मुक्त होने के सपने की भावना को समझना आदि! प्रयोजनमूलक हिंदी की पत्र -लेखन कला को समस्तता से समझते हुए, उसके आवेदन पत्र और पारिवारिक पत्र- प्रकार के लेखन- कौशल से अवगत होना 1

Name of Teacher : - Mr. S.D. Koreboinwad   Department :- Hindi
Program:- B.A. FY (Opt.-Hindi)   Sem:- I   Course Code :- HIN – 1

Paper Title: - कथा साहित्य- I

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	उपन्यास	खंजन नयन- अमृतलाल नागर	प्रसिद्ध उपन्यासकार अमृतलाल नगर के व्यक्तित्व- कृतित्व से परिचित होना, ऐतिहासिक उपन्यास खंजन नयन के द्वारा सूरदास के जीवन और चरित्र के विविध पहलुओं को समझना! साथ में सूरदास की भक्ति और प्रेम -भाव से ज्ञात होना!
खण्ड – ख	कहानियां	1) उस ने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी 2) सुजान भगत- प्रेमचंद 3) पुरस्कार- जयशंकर प्रसाद 4) खेल- जैनेंद्र कुमार 5) मलबे का मालिक- मोहन राकेश 6) गेंद- चित्रा मुदगल	1) निस्वार्थ प्रेम, प्रेम पालन, त्याग भावना, वीरता आदि भावों को समझना, भाषा शिल्पा से अवगत होना तथा हिंदी कहानी के आरंभिक विकास में विशेष ख्याति प्राप्त कहानी के रूप में महत्व जानना! 2) परिश्रम का महत्व, मेहनत, ईमानदारी और दानवीर वृत्ति से समाज में मान- सम्मान तथा तथा किसान की कर्तव्य परायणता ईमानदारी मेहनत और दान- वृत्ति को समझना! 3) एक कन्या का अपनी भूमि के प्रति प्रेम, पिता के बलिदान के लिए श्रद्धा तथा प्रेमी के प्रति पश्चाताप के भावों को

			समझना! 4) छोटे दो बच्चों की अबोधता, उनका परस्पर स्नेह, रूठना- मनाना आदि बाल -सुलभ भावनाओं के द्वारा बाल मनोविज्ञान से अवगत होना! 5) देश -विभाजन की त्रासदी, मोहभंग की अवस्था और मानवीयता के भावों से विदित होना! 6) वर्तमानकालीन वृद्धों के प्रति बढ़ती संवेदनहीनता के सा पारिवारिक स्नेह और भावनिक सहचार्य के भाव से अवगत होना!

Specify Course Outcome: उपन्यास और कहानी विधा से पूर्णताः ज्ञात होकर कथा साहित्य की लेखन शैली से अवगत होना और कथा लेखन की हो ओर अग्रसर होना l साथ ही मानसिक और बौद्धिक स्तर पर परिष्कृत होना l

Specify Program Outcome: प्रसिद्ध उपन्यासकार अमृतलाल नागर के व्यक्तित्व- कृतित्व से परिचित होकर उनके ऐतिहासिक उपन्यास खंजन नयन के माध्यम से सूरदास के जीवन और चरित्र के विविध पहलू एवम सूरदास की भक्ति भावना को समझना l

Signature of Teacher

Name of Teacher :Dr. Prathibha G. Yerekar **Department :- Hindi**
Program :- B.A. FY(Opt.-Hindi) Sem:- I st **Course Code :- HIN - 2**
Paper Title : - नाटक तथा एकांकी-II

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड - क	नाटक	धरती आबा- ऋषिकेश सुलभ	नाटककार ऋषिकेश सुलभ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से ज्ञात होना धरती आबा नाटक की मूल संवेदना को समझना, नाटक के माध्यम से आदिवासी-विमर्श, बिरसा मुंडा और आदिवासी जन -जीवन की समस्याएं, उनका उलगुलान आंदोलन तथा इस आंदोलन के माध्यम से आदिवासियों की संघर्ष गाथा से अवगत होना और आदिवासियों की प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझना!
खण्ड - ख	एकांकी	१) सीमा रेखा- विष्णु प्रभाकर	१) राष्ट्र के प्रति प्रेम भाव एवं प्रजातंत्र

		२) पृथ्वीराज की आंखें- डॉ. रामकुमार वर्मा ३) अशोक वन- पंडित लक्ष्मी नारायण मिश्र ४) नये मेहमान- उदय शंकर भट्ट ५) रीड की हड्डी- जगदीश चंद्र माथुर	में प्रजा और शासन के बीच कोई सीमा- रेखा या विभाजन रेखा होने के संदेश को समझना! २) पृथ्वीराज चौहान की समस्त स्वाभिमानी एवं स्वतंत्र व्यक्तित्व और कृतित्व से अवगत होना! ३) सीता के चरित्र की चारित्रिक उज्जवल ता के सर रावण भी बौद्धिक स्तर पर चरित्रवान, रूपवान और नैतिक मूल्यों पर अटूट विश्वास रखने वाला व्यक्ति था, को समझना! ४) आधुनिक महानगरीय जीवन -प्रणाली में आवास के साथ मेहमान का घर में आना भी एक भीषण समस्या बन गई है को समझना! ५) घृणित मोनूवृत्तियों का विरोध एवं श्री ओके मानवाधिकार के समर्थन-भाव से ज्ञात होना!

Specify Course Outcome: नाटक तथा एकांकी विधा से पूर्णताः ज्ञात होना तथा नाट्य साहित्य के प्रति रुचि निर्माण करते हुए नाट्य- सृजन की ओर उन्मुख होना नाट्य साहित्य से होने वाली रस निष्पत्ति का आनंद लेना l

Specify Program Outcome: नाटककार ऋषिकेश सुलभ का व्यक्तित्व एवं कृतित्व ज्ञात करते हुए हुए धरती आबा नाटक की मूल संवेदना आदिवासी जन- जीवन बिरसा मुंडा का जीवन- चरित्र, उलगुलान आंदोलन आदि के द्वारा आदिवासी विमर्श को समझना! राष्ट्रप्रेम तथा प्रजातंत्र में प्रजा और शासन के बीच अटूट संबंध को समझना l

Signature of Teacher

Name of Teacher: - Mr. S.D. Koreboinwad   Department: - Hindi
Program: - B.A. FY (Opt.-Hindi)   Sem: - II   Course Code:- HIN - 3

Paper Title: - कथा साहित्य- III

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड - क	उपन्यास	पचपन खंभे लाल दीवारें - उषा प्रियंवदा	प्रवासी हिंदी साहित्यकार के रूप में विख्यात उषा प्रियंवदा के व्यक्तित्व- कृतित्व से ज्ञात होकर उनकेप्रथम प्रसिद्ध और बहुचर्चित, उपन्यास पचपन खंबे लाल दीवारे की कथावस्तु को समझना l जिसमें भारतीय स्त्री की सामाजिक- परिस्थितियों

			से उत्पन्न कुंठा ,उब छटपटाहट, अकेलापन आदि मानसिक संत्रास नारी विमर्श के द्वारा प्रकट हुआ है l
खण्ड - ख	कहानियां	१) निर्वासित -सूर्यबाला २) कोसी का घटवार- शेखर जोशी ३) गृह प्रवेश- शालिनी सिंह ४) अकाल मृत्यु- स्वयं प्रकाश ५) सबसे कठिन काम- मधु कांकरिया ६) साहब फिर कब आएंगे मॅं?- दामोदर खडसे	१) वृद्ध माता-पिता की बेटो द्वारा होने वाली उपेक्षा और उनकी पीड़ा को समझना तथा उसमें परिवर्तन हेतु प्रयत्नरत होना! २) ग्रामीण पहाड़ी परिवेश, नायक नायिका का मानसिक अंतर द्वंद्व सामाजिक बंधन एवं नायक का नायिका के प्रति अद्वितीय प्रेम आदि को समझना! ३) माता-पिता तथा बच्चों को परिवार में मिलजुलकर एक-दूसरे को समझकर ही रहने में, उनके जीवन की सार्थकता है, के संदेश से अवगत होना! ४) पिता की अकाल मृत्यु के कारण किशोर आयु को नववी कक्षा के लड़के का आर्थिक विपन्नता में उस और असमय प्रोढ होने की विवेचना को समझना ५) डॉक्टर की अपने पेशे के प्रति सत्य निष्ठा के साथ मनुष्य और मनुष्यता की श्रेष्ठ ता तथा आवश्यकता को समझने के संदेश से अवगत होना! ६) दीन - दलित गरीब और बर्तन मांजने वाली स्त्री की दरिद्रता तथा परिवार का ठीक से पालन पोषण एवं बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था न कर पाने की वेदना को समझना!

Specify Course Outcome: उपन्यास और कहानी साहित्य के विकास क्रम से ज्ञात होते हुए रचनाकारों की लेखन शैली से अवगत होना, कथा साहित्य में वर्णित विविध परिवेश एवं समस्याओं को जान लेना तथा समस्याओं के निराकरण के मार्ग ढूंढना l

Specify Program Outcome: प्रवासी हिंदी साहित्यकार उषा प्रियंवदा का व्यक्तित्व- कृतित्व से ज्ञात होना, प्रसिद्ध एवं बहुचर्चित नायिका प्रधान उपन्यास पचपन खंभे लाल दीवारें से व्यक्त भारतीय स्त्री की मानसिक संत्रास नारी -विमर्श के द्वारा समझना! वृद्धा माता-पिता की परिवार में होनेवाली अवहेलना और उनकी पीड़ा को समझते हुए पहाड़ी परिवेश, नायक -नायिका का मानसिक अंतर्द्वंद , नायक का अद्वितीय प्रेम आदि अवगत होना, माता -पिता तथा बच्चों को परिवार में मिलजुलकर रहने में ही जीवन की सर्तकता है से ज्ञात होना पिता की अकाल मृत्यु से किशोर वयीन लड़के को आनेवाला असमय प्रोढत्व समझना, डॉक्टर की अपने पेशे के प्रति सत्यनिष्ठता के साथ मनुष्य और मनुष्यता की श्रेष्ठता को समझना और उसका प्रतिपादन करना, गरीब दीन- दलित बर्तन मांजनेवाली स्त्री की अपने परिवार के प्रति जिम्मेदारी और उसकी वेदना को समझना आदि!कहानी विधा के सैद्धांतिक विवेचन में कहानी की परिभाषा, स्वरूप और तत्वों से अवगत होते हुये कहानी के उद्भव एवं विकास -क्रम को समझना! कमलेश्वर के पूर्ण व्यक्तित्व तथा कृतित्व को ज्ञात करती हुये, उनके 'लौटे हुए मुसाफिर' उपन्यास की संवेदना भारत -पाक विभाजन की त्रासदी तथा विभाजन के पश्चात की समस्याओं को समझना! सवर्णो का असवर्ण मुखौटा धारण कर, अवसरवादी बनकर स्वार्थ -सिद्धि करना, बाजारवाद से प्रभावित युवा पीढ़ी से ज्ञात होना, आदिवासियों का जनजीवन तथा सामंती व्यवस्था द्वारा आदिवासियों के समग्र शोषण से विदित होना, बुद्ध- दर्शन से प्रभावित मानवीय मूल्य एवं दलित अस्मिता के प्रतीक डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचार और मानव केंद्रित दलित साहित्य के प्रगल्भ विचारों को समझना, उच्च शिक्षा के शोध - क्षेत्र में पात्रताधारक दलित छात्रों की प्रवंचना और प्रवेशित न होने देने की सवर्ण वर्ण- व्यवस्था को ज्ञात करना, स्त्री -विमर्श, स्त्री -अस्मिता तथा वैवाहिक जीवन में पति -पत्नी संबंध एवं विश्वासघाती पति और पुरुष सोच को समझना, वर्तमान आधुनिक महानगरीय जीवन में सहजीवन के दुष्परिणामों से अवगत होकर, विवाह संस्था का प्रतिपादन करना आदि l

Signature of Teacher

Name of Teacher: -Dr. Prathibha G. Yerekar   Department:- Hindi

Program: - B.A. FY (Opt.-Hindi) Sem:- IInd Course Code :- HIN - 4

Paper Title: - नाटक तथा एकांकी -IV

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड - क	नाटक	अभंग गाथा- नरेंद्र मोहन	नाटककार के रूप में नरेंद्र मोहन के व्यक्तित्व तथा कृतित्व को समझाते हुए अभंग गाथा नाटक के कथ्य- कोणो को और भाषा- शिल्प को समझना! नाटक के माध्यम से संत तुकाराम के व्यक्तित्व- कृतित्व, जीवन- संघर्ष एवं चरित्र के साथ उनकी देन को समझना!
खण्ड - ख	एकांकी	१) काल पुरुष और अजंता की नर्तकी- लक्ष्मी नारायण लाल २) चरवाहे- उपेंद्रनाथ अश्क ३) बहू की विदा- रामनरेश त्रिपाठी ४) बा और बाबू- रामनरेश त्रिपाठी ५) शहादत- रंगनाथ तिवारी	१) पुरुष की पारंपरिक स्वार्थी सोच स्त्री की असायता और विवशता, पति - पत्नी के बीच अविश्वास एवं तनाव तथा उसके कारण परिवार के दुख को समझना! २) सामाजिक कमजोरियों एवं अंधश्रद्धा के उद्घाटन के साथ स्वतंत्र तथा स्वच्छदी जीवन जीने की भावाभिव्यक्ति! ३) भारतीय समाज में व्याप्त विकार दहेज प्रथा की समस्या के कारण समाज में होनेवाली स्त्रियों की दुर्दशा को समझना तथा समस्या के निर्मूलन हेतु प्रयत्न करना! ४) बा और बापू अर्थात कस्तूरबा तथा महात्मा गांधी जी के जीवन की सच्ची घटनाएं जो दक्षिण अफ्रीका जिओ एप गुजरात सत्याग्रह आंदोलन से जुड़ी हुई है के द्वारा बा और बापू के चरित्र को समझना! ५) राजशाही के विरुद्ध जनतंत्र तथा धर्मांधता के विपरीत मानवीयता के लिए लड़ने वाले इमरोज केसंपादक शोइबुल्ला खॉ के जीवन- चरित्र और शहादत को समझना!

Specify Course Outcome: साहित्य के विकास क्रम से ज्ञात होते हुए उसके संवाद लेखन- वाचन कौशल्य

से अवगत होना! रंगमंच और अभीनय के प्रति आकर्षित होना तथा क्षेत्र की रोजगार उपलब्धता को भी समझना!

Specify Program Outcome: नाटककार नरेंद्र मोहन के समग्र व्यक्तित्व एवं कृतित्व से ज्ञात होते हुए अभंग गाथा नाटक की मूल संवेदना और भाषा शिल्प को समझना! नाटक के माध्यम से संत तुकाराम का चरित्र तथा जीवन संघर्ष के उनकी दिन से अवगत होना 1

Signature of Teacher

Name of Teacher : -Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad
Department :- Hindi Program :- B.A./B.com./B.Sc.SY (SL-Hindi)
Sem:- III Course Code :- HIN - 3

Paper Title: - कथेत्तर गद्‌य - III

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड - अ	कथेत्तर गद्‌य	1) युवाओं से- स्वामी विवेकानंद (संबोधन) 2) नाखून क्यों बढ़ते हैं- आचार्य हजारी प्रसाद द्‌विवेदी(निबंध) 3 औरंगजेब की आखरी रात- रामकुमार वर्मा(एकांकी) 4) प्रवास की डायरी: कुछ विशिष्ट पन्ने- हरिवंश राय बच्चन(डायरी) 5) इंस्पेक्टर मातादीन चॉद पर- हरिशंकर परसाई (व्यंग्य) 6) काशी के नाम- डॉ नामवर सिंह (पत्र) 7) एक थी रामरति- शिवानी (संस्मरण) 8) स्त्री जो महज त्वचा है- सुधीश पचौरी(लेख) 9) वीरांगना कनकलता बरूआ- निशा नंदिनी (जीवनी) 10)रसायन और हमारा पर्यावरण- डॉ एन.एल.रामनाथन(विज्ञान)	1 देश के उन्नति हेतु नवयुवको को अपने कर्तवयो से परिचित होना। 2) हिंसा को त्याग कर अहिंसा के महत्व को प्रतिपादित करने का संदेश 3) जीवन में किए गए गुनाहों की आपबीती याद करते हुए स्वयं में बदलाव की भावनाओं को समझना 1 4) शोध कार्य करते समय कवि के विभिन्न गुणों का संदेश 1 5) पुलिस की दूषित एवं मानव विरोधी गतिविधियों का खुलासा कर उनके कर्तव्य से रूबरू होना हिमाचल 1 6) स्वयं की रूचि के अनुसार अपना रास्ता चुनना और अपने आप को आत्मनिर्भर ,आत्मविश्वासी ,तथा आत्मनिर्भर करने का संदेश 1 7) एक सामान्य सेविका अपने कर्तव्य कर्म से असामान्य भाव से किसी परिवार के प्रति सरल भाव, समर्पण भाव को समझना 1 8) स्त्री जाति की अस्मिता और पहचान को अत्यंत दृढ़ता के साथ समझ कर उसमें नवचेतना निर्माण होने का संदेश 1 9) स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय त्याग बलिदान देने वाली कनकलता बरूआ के शौर्य गाथा को समझना 1 10) रासायनिक पदार्थों से होने वाले

			पर्यावरण प्रदूषण तथा उनके उनके दुष्परिणामो को समझना 1

Specify Course Outcome: हिंदी साहित्य के विविध विधाओं के विकास क्रम से परिचित होना और उन के माध्यम से सृजीत लेखकों के विचारों को समझना 1

Specify Program Outcome: **नवयुवकों को कर्तव्य से परिचित करना, हिंसा को त्याग कर अहिंसा का संदेश ,जीवन में बदलाव लाने का संदेश ,आत्म निर्भर आत्मविश्वासु बनने का संदेश ,अपने कर्तव्य कर्म से समर्पण भाव को समझना ,स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान देने वालों के शौर्य को समझना l**

Signature of Teacher

Name of Teacher: - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad
Department :- Hindi

Program:- B.A. SY (SL-Hindi) Sem:- IV Course Code :- HIN – 4

Paper Title: - नाटक तथा प्रयोजनमूलक हिंदी - IV

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	नाटक	विमा- रत्ना कुमार सांभरिया	दलित एवं विकलांग विमर्श नेत्रहीन विजातीय दांपत्य द्वारा धर्म के बंधनों को तोड़कर धर्मनिरपेक्षता समाज में स्थापित करने का संदेश 1
खण्ड – ब	प्रयोजनमूलक हिंदी	1) वेब सर्चिंग:आर्थ, स्वरूप और महत्व 2) ई-मेल: निर्माण और प्रेषन विधि 3) विज्ञापन लेखन: दूरदर्शन और मोबाइल 4) विभिन्न मोबाइल ऐप और रोजगार के अवसर	1) खोज इंजन का सबसे प्रचलित रूप है जो वर्ल्ड वाइड वेब पर सूचना खोजने के लिए प्रयुक्त होता है और उससे सुव्यवस्थित रूप में कार्य करने की प्रेरणा मिलती है 1 2) ईमेल द्वारा अपने निजी एवं प्रशासनिक दस्तावेज को सुरक्षित रूप आदान प्रदान करने का संदेश 1 3) विज्ञापन लेखन के माध्यम से विविध क्षेत्रों में प्रचलित वस्तुओं की विशेषताओं पर लेखन कार्य अवगत कर रोजगार मिलने का संदेश 1 4) आधुनिक साधनों द्वारा विभिन्न बनाए गए एप्लीकेशन और उनसे मिलने वाली

			आर्थिक सहायता को समझना l

Specify Course Outcome: नाटक के संवाद लेखन वाचन कौशल से अवगत होना, रंगमंच और अभिनय के प्रति आकर्षित होना, तथा इस क्षेत्र की रोजगार उपलब्धता को भी समझना l

Specify Program Outcome: नेत्रहीन विजातीय दंपति के समस्या को समझना, आधुनिक तंत्रज्ञान जैसे जैसे कंप्यूटर के विविध प्रणाली को समझना, विज्ञापन लेखन से और मोबाइल द्वारा मिलने वाले विभिन्न रोजगार को समझना l

Signature of Teacher

Name of Teacher:Dr. Pratibha G. Yerekar Department :- Hindi

Program:- B.A. SY (Opt.-Hindi) Sem:- III Course Code :- HIN - 5

Paper Title: - मध्ययुगीन काव्य- V

Unit Number	Unit Name	Topice	Unit-wise Outcome
खण्ड - अ	मध्ययुगीन काव्य	1 नामदेव(03 पद) 2 कबीर(10 दोहे) 3 तुलसीदास(10 दोहे चौपाई) 4 सूरदास(03पद) 5 रहीम(10 दोहे) 6 रैदास(10 दोहे) 7 मीराबाई(3 पद) 8 बिहारी(10 दोहे)	1 नामदेव के पदों में चर्चित नामस्मरण, गुरु एवं सत्संगति की महता को समझना! 2 कबीर के दोहों में वर्णित गुरु एवं नामस्मरण का महत्व, विरह की भावना तथा जाति- भेद और बाह्य आडंबर के विरोध से ज्ञात होना! 3 तुलसीदास के शबरी प्रसंग दोहे चौपाई मैं व्यक्त समाज में जाति, धर्मा, संप्रदाय, लिंगभेद, आयु देश- काल से उपर मानवता तथा समानता के भावों को समझना! 4 सूरदास के पदों में प्रतिपादित विनय एवं वात्सल्य भक्ति तथा विरह भावना से अवगत होना! 5 रहीम के दोहों में व्यक्त भक्ति तथा परोपकार

			की भावना, प्रेम का महत्व, मनुष्य की विनम्रता तथा उसका मान-सम्मान एवं संगतिनुरूप परिणाम को जानना! 6 रैदास के दोहों में प्रतिपादित ईश्वर की सर्वव्यापकता जाति- भेद का विरोध एवं हिंदू मुस्लिम एकता का समर्थन, श्रम साधना का महत्व तथा रामराज्य की चाहा को समझना! 7 मीराबाई के पदों में चित्रित कृष्ण का रूप सौंदर्य एवं उसके प्रति विरह की अनुभूति तथा उनके अनुग्रह से ज्ञात होना! 8 बिहारी के दोहों में वर्णित भक्ति- भावना, संयोग एवं र वियोग श्रृंगार की भावना तथा नीति विषयक विचारों को समझना!

Specify Course Outcome: हिंदी काव्य की विकास यात्रा में मध्ययुगीन काल के भक्ति- काल एवं रितिकालीन काव्य की विकास धारा की प्रवृत्तिगत विशेषताओं तथा भाषा- शिल्प को समझना 1

Specify Program Outcome : नामदेव के नामस्मरण, गुरु तथा सत्संगति संबंधी विचार, कबीर का गुरु एवं नामस्मरण के प्रति महत्व उनकी बिरह भावना तथा जाति-भेद और बाह्य आडंबर के लिए विरोध, तुलसीदास का मानवता तथा समानता का संदेश, रहीम की भक्ति और परोपकार की भावना, प्रेम का महत्व मनुष्य की विनम्रता और उसका मान-सम्मान, रैदास की ईश्वर- भक्ति भावना 1

Signature of Teacher

Name of Teacher: - Mr. S.D. Koreboinwad   Department: - Hindi

Program:- B.A. SY (Opt.-Hindi)   Sem:- III   Course Code :- HIN -6

Paper Title: - निबंध तथा कथेत्तर गद्य- VI

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड - अ	निबंध	1) मजदूरी और प्रेम- पूर्णसिंह 2) लज्जा और ग्लानि- रामचंद्र शुक्ल 3) व्यापारे वसति लक्ष्मी- बाबू गुलाब राय	1) शारीरिक श्रम का महत्व समझते हुए मनुष्य की निकम्मी प्रवृत्ति का विरोध करना1 2) व्यक्ति में स्थित मनोभाव के विकार लज्जा और ग्लानि को समझना 1 3) मानव सभ्यता के विकास में व्यापार के

		4) देवदारू- हजारी प्रसाद द्विवेदी 5) ईर्षा तू न गई मेरे मन से- रामधारी सिंह 6) जीवन में साहित्य का स्थान- प्रेमचंद	योगदान का सूक्ष्म अध्ययन करने का संदेश l 4) देवदारू पेड़ के माध्यम से समाज के विभिन्न लोगों के मनोवृति से परिचित होने का संदेश l 5) ईर्ष्या की उत्पत्ति का कारण एवं उससे होने वाली हानियों का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण को समझना l 6) साहित्य मनुष्य के राष्ट्र, देश ,समाज या जन की आत्मा की प्रतिध्वनि को सृजीत करता है l
खण्ड - ब	कथेत्तर गद्य	1) रजिया- रामवृक्ष बेनीपुरी (रेखाचित्र) 2) वर्दी और पानी पीने की बात- कौशल पवार(आत्मकथा) 3) उस 'जारवा 'दंपति से मिलकर- हरिराम मीणा	1) एक ग्रामीण स्त्री चरित्र की बाल्यावस्था ,युवावस्था तथा वृद्धावस्था के स्वाभाविकता को समझनाl 2) स्कूली जीवन में भूखे यथार्थ का के साथ भारतीय समाज में व्याप्त जाति प्रथा और छुआछूत की समस्या का कड़वा सच की अभिव्यक्ति का संदेश l 3) जारवा आदिवासियों की भाषा, संस्कृति, रहन-सहन, खान-पान ,परंपरा ,शारीरिक रचना ,स्वभाव, प्रकृति, प्रेम और उनके समस्याओं को समझना l

Specify Course Outcome: निबंध विधा को समझना एवं निबंध श्रजन की ओर उन्मुख होना l

Specify Program Outcome: श्रम का महत्व समझना मनोभाव के विकार लज्जा और ग्लानि को समझना मानव सभ्यता का अध्ययन करना मानव के विभिन्न मनोवृतियों का परिचय करना ईर्ष्या की व्युत्पत्ति के कारणों को समझना राष्ट्र देश समाज या जन की आत्मा की प्रतिध्वनि को सृजीत करना आदि व्यंग्यकार व्यक्तित्व के विशेषता से ज्ञात करना दलित साहित्य की चेतना ,सार्थकता उपलब्धि और संभावनाओं को समझना आदि l

Signature of Teacher

Name of Teacher: - Dr. Pratibha G. Yerekar Department: - Hindi

Program:- B.A. SY (Opt.-Hindi) Sem:- IV Course Code :- HIN - 7

Paper Title: - आधुनिक काव्य - VII

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड - अ	आधुनिक काव्य	१) किसान- मैथिलीशरण गुप्त २) हिमाद्री तुगं श्रृंग से- जयशंकर प्रसाद ३) कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ- बालकृष्ण शर्मा नवीन ४) नदी के द्वीप- अज्ञेय ५) प्रेत का बयान- नागार्जुन ६) चंपा काले काले अच्छर नहीं चिन्हाती- त्रिलोचन ७) जंगल का संघर्ष- रमणिका गुप्ता ८) साये में धूप- दुष्यंत कुमार ९) सदियों का संताप- ओमप्रकाश वाल्मीकि १०) औरत कमजोर नहीं- पुष्पा विवेक ११) युद्ध के विरुद्ध- डॉ. अमिता तिवारी १२) सड़क दर सड़क- भुवनेश्वर उपाध्याय	१) भारतीय किसानों के कठोर परिश्रम के बावजूद भी उनकी आर्थिक विपन्नता से उत्पन्न पीड़ा को समझना! २) भारतीय संस्कृति तथा गौरव के इतिहास को ज्ञात करना! ३) क्रांति की भावना को समझना तथा शोषणवृत्ति और गुलामी का विरोध करना! ४) मनुष्य और समाज के अभिन्न संबंध को समझती हुए, समाज में ही मनुष्य की व्यक्तित्व विकास के स्त्रोत को जानना! ५) स्वतंत्र भारत के अध्यापक की व्यथा को समझना! ६) शहर के विरुद्ध गांव एवं रुपयों के विपरीत इंसानी रिश्तो को समझना! ७) आदिवासियों के संघर्ष, उनकी एकता एवं प्राकृतिक प्रेम से अवगत होना! ८) मानवीयता का समर्थन तथा अन्याय- अत्याचार के विरोध में लड़ने के लिए नैतिकता प्रदान की भावना को समझना! ९) अतीत को भूलकर, संकीर्ण मानसिकता को त्यागकर समता तथा मानवता के संदेश को समझना! १०) नारी- चेतना जागृति संदेश! ११) युद्ध की भयानकता और परिणामों को जानना! १२) मजदूरों की आर्थिक दरिद्रता से उत्पन्न पीड़ा से अवगत होना 1

Specify Course Outcome: आधुनिक काल की विविध काव्य विकास- धाराओं की प्रवृत्तियों को समझना एवं काव्य सृजन की और उन्मुख होना 1

Specify Program Outcome: भारतीय किसानों की कठोर मेहनत के बावजूद आर्थिक विपन्नता से उत्पन्न पीड़ा, भारतीय संस्कृति और गौरव का इतिहास, क्रांति की भावना, शोषण -वृत्ति एवं गुलामी का विरोध, मानव एवं समाज का अभिन्न संबंध तथा समाज में मनुष का स्थान 1

Signature of Teacher

Name of Teacher: - Mr. S.D. Koreboinwad   Department:- Hindi

Program:- B.A. SY (Opt.-Hindi)   Sem:- IV   Course Code :- HIN - 8

Paper Title: - निबंध तथा कथेतर गद्य- VIII

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड - अ	निबंध	1) बसंत आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं?- विद्यानिवास मिश्र 2) नीलकंठ- हरिशंकर परसाई 3) घोड़ाशाही- सियाराम शरण गुप्त 4) संसार सुखमय है- श्रीराम परिहार 5) पर्यावरण और सनातन दृष्टि- छगन मेहता 6) पानी- पानी शहर- राम अवतार यादव	1) प्रकृति परिवर्तन के साथ ही चित्त में आने वाले परिवर्तन को समझना l 2) मनुष्य अपने दुखों का प्रदर्शन कर समाज में मान्यता प्राप्त करने का संदेश l 3) आधुनिक युग में मशीनी प्रयोग के दुष्परिणामों को समझना l 4) मनुष्य और प्रकृति के प्राकृतिक संबंधों से संसार के सुखमयता को समझने का संदेश l 5) अंधी दौड़ में वैज्ञानिक और औद्योगिक विकास के कारण समस्या को अत्यंत गंभीरता से समझना l 6) मुंबई महानगर में आये बाढ़ के भयंकर दुष्परिणामों को समझना l
खण्ड - ब	कथेतर गद्य	1) सरदार वल्लभभाई पटेल- इंदिरा विद्यावाचस्पति (संस्मरण) 2) अशफाक के नाम पत्र- राम प्रसाद बिस्मिल (पत्र) 3) दलित साहित्य के केंद्र में मानव है- डॉ धीरज भाई वनकर (साक्षात्कार)	1) देश के गृहमंत्री जीन्हे देश की जनता लोहपुरुष उपाधि से विभूषित किया हैl सरदार वल्लभभाई पटेल के चरित्र को समझना l 2) विधर्मी होने के बावजूद भी भारत देश को अंग्रेजी गुलामी से आजाद करने की भावना को समझना l 3) दलित विमर्श और दलित साहित्य की अवधारणा को विस्तार से समझना l

Specify Course Outcome: विभिन्न विषयों को लेकर लिखे गए निबंध को समझना एवं निबंध सृजन की ओर उन्मुख होना l

Specify Program Outcome: प्रकृति परिवर्तन से आने वाले परिवर्तन को समझना, का प्रदर्शन कर मान्यता प्राप्त करना, मशीनों के दुष्परिणामों को समझना, प्रकृति में ही संसार की सुखमयता का संदेश देना, वर्तमान अंधी दौड़ में पर्यावरण की समस्या को समझना, बाढ़ के दुष्परिणामों से अवगत करना, सरदार वल्लभ भाई पटेल के चरित्र को समझना और दलित साहित्य की अंगो को समझना l

Signature of Teacher

Name of Teacher : - Mr. S. D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A. TY (Opt.-Hindi) Sem:- V Course Code :- HIN - 9

Paper Title : - हिंदी साहित्य का इतिहास- IX

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	आदिकाल	आदिकाल का परिचय आदिकालीन साहित्य की प्रेरक परिस्थितियां	हिंदी साहित्य के आरंभिक आदिकाल और आदिकालीन साहित्य की प्रेरक परिस्थितियां समझना l
	भक्ति काल	1) भक्तिकाल : परिचय 2) निर्गुण भक्ति: ज्ञानश्रयी. प्रेमाश्रयी शाखा की प्रवृतियां 3) सगुण भक्ति: रामभक्ति एवं कृष्ण भक्तिशाखा की प्रवृतियां	भक्तिकालीन परिस्थितियो को समझते हुए भक्तिकाल की विभिन्न भक्ति-धाराओ की प्रवृत्तियों को ज्ञात करना l
खण्ड – ख	रीतिकाल परिचय	रीतिकाल : परिचय, रीतिबद्ध. रीतिसिद्ध .रीतिमुक्त काव्य धारा का संक्षिप्त परिचय	रीतिकाल तथा रितिकालीन विविध काव्य-धाराओ की प्रवृत्तियों को समझना l
	आधुनिक काल	आधुनिक काल : परिचय भारतेंदु युग. द्विवेदी युग. छायावाद. प्रगतिवाद. प्रयोगवाद. नई कविता की प्रमुख प्रवृतियां	आधुनिककाल से परिचित होकर आधुनिक काल की विभिन्न काव्यधाराओ की प्रवृत्तिगत विशेषताओ को समझ लेना l

Specify Course Outcome: हिंदी साहित्य के बृहत इतिहास से परिचित होकर हिंदी साहित्य -सृजन की पृष्ठभूमि को समझना तथा साहित्यिक प्रवृत्ति- परंपरा से अवगत होते हुए, साहित्य मे अभिव्यक्त जीवनमूल्यों एवं दर्शन का आकलन करना साथ में परिवर्तित भाषा- शिल्प को भी समझना l

Specify Program Outcome: हिंदी साहित्य के आदिकाल, भक्ति काल, रीतिकाल, और आधुनिक काल के साहित्य की प्रेरक परिस्थितियों एवं प्रवृत्तियों तथा रीतिकालीन, आधुनिक कालीन विभिन्न काव्य-धाराओं की प्रवृत्तिगत विशेषताओं से अवगत होना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher: Mr. S. D. Koreboinwad   Department:- Hindi

Program:- B.A. TY (Opt.-Hindi)   Sem:- V   Course Code :- HIN – 10

Paper Title: - हिंदी भाषा - X

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	हिंदी भाषा	1) भाषा की परिभाषा तथा स्वरूप 2) भाषा की विशेषताएं 3) हिंदी भाषा का उद्भव और विकास	भाषा की परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताओ को समझते हुए, हिंदी भाषा के उद्भव एवं विकास को ज्ञात कर लेना l
खण्ड – ख	हिंदी भाषा के विविध रूप	1) प्रयोजनमुलक हिंदी 2) राष्ट्रभाषा 3) राजभाषा 4) संपर्क भाषा	हिंदी के विविध रूपो प्रयोजनमूलक हिंदी ,राष्ट्रभाषा हिंदी, राजभाषा हिंदी और संपर्कभाषा हिंदी को यथोचितता से समझना l
खण्ड – ग	हिंदी की स्थिति	1) भाषा प्रौद्योगिकी स्वरूप एवं संभावनाएं 2) संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार हिंदी की संवैधानिक स्थिति 3) हिंदी की वैश्विक स्थिति	हिंदी भाषा का प्रौद्योगिकी स्वरूप एवं संभावनाओ को ज्ञात करते हुए हिंदी की संवैधानिक और वैश्विक स्थिति को समझना l

Specify Course Outcome: हिंदी भाषा के महत्व को समझाते हुए उसके स्वरूप और प्रयुक्ति क्षेत्र से परिचित होना तथा उसकी उपयोगिता को प्रतिपादित करते हुए संवैधानिक स्थिति को समझाना l

Specify Program Outcome: भाषा की परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताओं से अवगत होते हुए हिंदी भाषा की उद्भव और विकास को समझना! हिंदी भाषा की विविध रूपों की समस्तता जानकारी लेना तथा हिंदी का प्रौद्योगिकी स्वरूप एवं उसकी संभावनाओं से ज्ञात होकर, उसकी संवैधानिक वैश्विक स्थिति का आकलन कराना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Pratibha G. Yerekar Department :- Hindi

Program :- B.A. TY (Opt.-Hindi) Sem:- VI Course Code :- HIN – 7

Paper Title : - साहित्य शास्त्र- XI

Unit Number	Unit Name	Topice	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	काव्य	1) काव्य का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप : 2) काव्य के तत्व, 3) काव्य के प्रयोजन, 4) काव्य के हेतु l	काव्य या साहित्य का शास्त्रीय पद्धति से अध्ययन करते हुए, काव्य साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप को समझते हुए, काव्य के तत्व, प्रयोजन और हेतुओं को समझ लेना l
खण्ड – ब	शब्द शक्ति	1) अर्थ , परिभाषा और स्वरूप : 2) शब्द शक्ति के भेद क) अभिधा ख) लक्षणा ग) व्यंजना	शब्द-शक्ति का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप को समझते हुए, शब्द-शक्ति के अभिधा, लक्षणा, व्यंजना इन तीनों भेद को समझना l
खण्ड – क	आलोचना	आलोचना १) परिभाषा स्वरूप २)आलोचक के गुण	आलोचना की परिभाषा और स्वरूप को समझते हुए, आलोचक के गुणों को समझना l

Specify Course Outcome: काव्य या साहित्य का शास्त्रीय पद्धति से अध्ययन करते हुए उसके महत्व को समझना और शास्त्रीय दृष्टिकोण विकसित करना l

Specify Program Outcome: काव्य साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप को समझना! काव्य के तत्व, प्रयोजन और हेतुओं को ज्ञात करना!, शब्द-शक्ति का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप को समझते हुए,

शब्द-शक्ति के तीनों भेद- अभिधा, लक्षणा, व्यंजना को उनके उपभेदो के साथ समझना! आलोचना की परिभाषा और स्वरूप को ग्रहण करते हुए आलोचक के गुणों को ज्ञात करना l

Signature of Teacher

Name of Teacher : -   Dr. Pratibha G. Yerekar   Department :- Hindi

Program :- B.A. TY (Opt.-Hindi)   Sem:- VI   Course Code :- HIN – 7

Paper Title : - भाषा शिक्षण- XII

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	वर्तनी	1) शुद्ध वर्तनी का महत्व 2) शुद्ध वर्तनी के नियम 3) लोकोक्तियां एवं मुहावरों का महत्व और उदाहरण l	भाषा शिक्षण में हिंदी भाषा की वर्तनी को समझते हुए शुद्ध वर्तनी का महत्व एवं नियमो को ज्ञात करना l लोकोक्तियां एवं मुहावरो का महत्व अवगत करते हुए उनके उदाहरणो को समझना l
खण्ड – ख	समाज माध्यम (Social Media)	1) समाज माध्यम का महत्व 2) समाज माध्यमों का प्रभाव 3) साइबरक्राइम कानून तथा आचार संहिताएँ	समाज माध्यम का महत्व एवं उनके प्रभावो को विदित करना l साइबर क्राईम कानून तथा आचार सहिंताओ को समस्तता से समझ लेना l
खण्ड – ग	सर्जनात्मक व्यक्तित्व	१) महात्मा गांधी २) डॉ . बाबासाहेब आंबेडकर ३) डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल	सृजनात्मक व्यक्तित्व महात्मा गांधी ,डॉ बाबासाहेब आंबेडकर ,डॉ एपीजे अब्दुल कलाम, कबीर, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा के

		कलाम ४) कबीर ५) प्रेमचंद ६) महादेव वर्मा	समस्त व्यक्तित्व एवं कृतित्व को ग्रहणकर, उसका महत्व प्रतिपादन करना l

Specify Course Outcome: भाषा शिक्षण में हिंदी भाषा की वर्तनी, शुद्ध वर्तनी का महत्व एवं उसके नियमों को समझना! भाषा की शुद्धता और कुशलता के द्वारा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना l

Specify Program Outcome: भाषा शिक्षण का महत्व, हिंदी भाषा की वर्तनी, शुद्ध वर्तनी का महत्व एवं नियमों को समझना l लोकोक्तियां और मुहावरों की महत्ता तथा उनके उदाहरण को ज्ञात कराना l समाज माध्यम के महत्व एवं उनके प्रभाव को समझना l साइबर क्राइम कानून तथा आचार संहिताओं को पूर्णता समझलेना l सृजनात्मक व्यक्तित्व महात्मा गांधी ,डॉ बाबासाहेब आंबेडकर ,डॉ एपीजे अब्दुल कलाम, कबीर, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा के पूर्णता व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझकर उसका महत्व प्रतिपादित करना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher: - Dr. Prathibha G. Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad
Department:- Hindi Program :- B.A. SY (SEC-Hindi) Sem:- III
Course Code :- HIN – I Paper Title : - हिंदी कौशल विकास- I

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	पत्र लेखन	1आवेदन पत्र 2 परिवारिक पत्र 3 मांग पत्र 4 शिकायत पत्र 5 सरकारी पत्र	हिंदी कौशल्य विकास की पत्र लेखन कला विधा से पारिवारिक ,व्यवसायिक, सामाजिक और सरकारी पत्राचार से समस्त ता अवगत होना!
खण्ड – ब	कंप्यूटर प्रयोग	1कंप्यूटर सामान्य परिचय 2ईमेल आईडी पंजीकरण 3ईमेल भेजने की विधि 4वेब सर्चिंग (सामग्री खोज)	कंप्यूटर या संगणक उपकरण से परिचित होकर, उसकी इंटरनेट अर्थात अंतरजाल सुविधा से ई-मेल आईडी पंजीकरण एवं प्रेषित - विधि तथा वेब सर्चिंग को

			समझना 1
खण्ड – क	संभाषण कौशल्य	1 अच्छे वक्ता के गुण 2 संभाषण कौशल्य की विषय सूची १) राष्ट्रीय एकता २) भारतीय संस्कृति ३) हिंदी दिवस ४) महिला सशक्तिकरण ५) प्रजातंत्र ६) साहित्य समाज 7) भारतीय त्यौहार ८) मेरा गांव मेरा देश ९) नैतिक मूल्य १०) स्वच्छ भारत	संभाषण कौशल्य से अवगत होते हुए, अच्छे वक्ता के गुणों को ज्ञात करना!

Specify Course Outcome: कौशल विकास क्षेत्र से परिचित होना और उन क्षेत्रों से हिंदी भाषा को कर रोजगार के अवसर प्राप्त करना 1 साथ ही भाषा कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देना!

Specify Program Outcome: कौशल्य विकास की पटकथा लेखन कला को समस्त ता से समझना और रोजगार उपलब्धि की शिक्षा लेना! भाषा कौशल्य से समाचार दूरदर्शन और आकाशवाणी संचार माध्यमों के लिए हिंदी में समाचार- लेखन करना कौशल तंत्र से नगदी रहित व्यवहार समझना आदि! हिंदी कौशल विकास की पत्र लेखन कला विधा से अवगत होकर, उसके विभिन्न पत्र प्रकारों से ज्ञात होना! कंप्यूटर उपकरण से परिचित होना तथा उस पर उपलब्ध इंटरनेट सुविधा से ई-मेल आय.डी. पंजीकरण, ई-मेल भेजने की विधि तथा वेब सर्चिंग प्रणाली को समझना 1

Signature of Teacher

Name of Teacher: - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad
Department :- Hindi

Program:- B.A. SY (SEC-Hindi) Sem:- IV Course Code :- HIN - II

Paper Title: - हिंदी कौशल विकास- II

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड - अ	पटकथा	पटकथा संकल्पना और स्वरूप संदर्भ- पटकथा मनोहर श्याम जोशी	कौशल्य -विकास की पटकथा लेखन -कला के सैद्धांतिक अध्ययन से ज्ञात होना 1
खण्ड - ब	समाचार लेखन	1 समाचार पत्र के लिए समाचार लेखन 2 दूरदर्शन के लिए समाचार लेखन 3 आकाशवाणी के लिए समाचार लेखन	भाषा कौशल से समाचार, दूरदर्शन और आकाशवाणी के लिए समाचार लेखन करना 1
खण्ड - क	नगदी रहीत व्यवहार	1 चेक तथा बैंक प्रणाली द्वारा भुगतान 2 कंप्यूटर इंटरनेट प्रणाली द्वारा भुगतान 3 स्वाइप मशीन द्वारा भुगतान 4 भ्रमणध्वनी द्वारा भुगतान 5 एटीएम द्वारा भुगतान 6 विभिन्न बैंकों के ॲप द्वारा भुगतान	कौशल्य विकास से ही नगदी रहीत व्यवहार को समझना, जिसमें चेक तथा बैंक प्रणाली, कंप्यूटर इंटरनेट, स्वाइप मोबाइल/ भ्रमणध्वनी, एटीएम विविध बैंकों के ॲप आदि के भुगतान को समझना 1

Specify Course Outcome: कौशल विकास क्षेत्र से परिचित होना और उन क्षेत्रों से हिंदी भाषा को कर रोजगार के अवसर प्राप्त करना 1 साथ ही भाषा कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देना!

Specify Program Outcome: कौशल्य विकास की पटकथा लेखन कला को समस्त ता से समझना और रोजगार उपलब्धि की शिक्षा लेना! भाषा कौशल्य से समाचार दूरदर्शन और आकाशवाणी संचार माध्यमों के लिए हिंदी में समाचार- लेखन करना कौशल तंत्र से नगदी रहित व्यवहार समझना आदि! हिंदी कौशल विकास की पत्र लेखन कला विधा से अवगत होकर, उसके विभिन्न पत्र प्रकारों से ज्ञात होना! कंप्यूटर उपकरण से परिचित होना तथा उस पर उपलब्ध इंटरनेट सुविधा से ई-मेल आय.डी. पंजीकरण, ई-मेल भेजने की विधि तथा वेब सर्चिंग प्रणाली को समझना 1

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher: - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad
Department :- Hindi

Program:- B.A. TY (SEC-Hindi) Sem:- V Course Code :- HIN-III

Paper Title: - हिंदी कौशल विकास- III

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड - अ	पटकथा लेखन के अंग तथा उदाहरण	1 सिनेमा की पटकथा 2 दूरदर्शन की पटकथा 3 रेडियो की पटकथा	पटकथा के प्रारूप को पूर्णताः से अवगत कर ,भाषा कौशल के द्वारा सिनेमा, दूरदर्शन एवं रेडिओ की पटकथा लिखना l
खण्ड - ब	भाषा कौशल	1 भाषा कौशल की माध्यम- श्रवण, वाचन, लेखन 2 पल्लवन की परिभाषा एवं स्वरूप उदाहरण सहित	भाषा कौशल तंत्र से श्रवण, भाषण, वाचन ,लेखन कला को समझकर संक्षेपण और पल्लवन को यथोचितता से समझना तथा लेखन करना l
खण्ड - क	लेखन की शुद्धता एवं सुंदरता	1 स्वच्छ भारत अभियान 2 बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ 3 जल ही जीवन है 4 पर्यावरण सुरक्षा 5 वर्तमान समय और नैतिक मूल्य	भाषा कौशल्य से लेखन की शुद्धता तथा सुंदरता को ज्ञात करना l

Specify Course Outcome: हिंदी भाषा कौशल्य विकास से स्वयं छात्रों को कार्य कुशल बनाना रोजगार- शिक्षा क्षेत्र से जुड़ना तथा भाषा कौशल के माध्यम से रोजगार के अवसरों को निर्माण कर राष्ट्र -हित मे योगदान देना l

Specify Program Outcome: हिंदी भाषा कौशल्य से सिनेमा, दूरदर्शन और रेडियो के लिए पटकथा- लेखन करना, श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन कला को समझना तथा संक्षेपण एवं पल्लवन का यथोचित लेखन करना, साथ में लेखन की शुद्धता तथा सुंदरता को ज्ञात करना l हिंदी भाषा के कौशल तंत्र द्वारा प्रिंट मीडिया, रेडियो और दूरदर्शन के लिए विज्ञापन- लेखन की कला को समझना, कंप्यूटर में हिंदी भाषा की स्थिति और उसके भविष्य को ज्ञात करना, पॉवर पॉइंट तथा एम. एस.. वर्ड, एक्सल शीट निर्माण विधि को विदित करना, ब्लॉग लेखन की प्रविधि, महत्व, प्रकार को समझना, इंटरनेट सामग्री- सृजन एवं यू-ट्यूब पर प्रकाशन से ज्ञात होना l

Signature of Teacher

Name of Teacher: - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad
Department :- Hindi Program :- B.A. TY (SEC-Hindi) Sem:- VI

Course Code :- HIN-IV Paper Title : - हिंदी कौशल विकास- IV

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड - अ	विज्ञापन	1 प्रिंट मीडिया के किसी एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण 2 रेडियो के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण 3 दूरदर्शन के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण	हिंदी भाषा कौशल के द्वारा प्रिंट मीडिया, रेडियो एवं दूरदर्शन के लिए विज्ञापन- लेखन को समझना l
खण्ड - ब	भाषाई कंप्यूटर	1 कंप्यूटर का हिंदी भाषाई भविष्य 2 हिंदी में पॉवर पॉइंट का महत्व एवं प्रविधि 3 हिंदी में एम.एस.वर्ड, एक्सल शीट निर्माण विधि	कंप्यूटर में हिंदी भाषा की स्थिति और उसके भविष्य के भाषा कौशल तंत्र से समझना एवं पॉवर पॉइंट तथा एम. एस. वर्ड एक्सल शीट निर्माण विधि को कुशलता से समझना l
खण्ड - क	ब्लॉग लेखन	1 ब्लॉग लेखन का महत्त्व एवं प्रकार 2 हिंदी में ब्लॉग लेखन की प्रविधि 3 इंटरनेट पर सामग्री सृजन एवं यू- ट्यूब पर प्रकाशन	भाषा कौशल से ब्लॉग लेखन की प्रविधि, महत्व एवं प्रकार को समझना, तथा भाषाई कुशलता से ही इंटरनेट पर सामग्री सृजन एवं यू- ट्यूब पर प्रकाशन करना l

Specify Course Outcome: हिंदी भाषा कौशल्य विकास से स्वयं छात्रों को कार्य कुशल बनाना रोजगार- शिक्षा क्षेत्र से जुड़ना तथा भाषा कौशल के माध्यम से रोजगार के अवसरों को निर्माण कर राष्ट्र -हित मे योगदान देना l

Specify Program Outcome: हिंदी भाषा कौशल्य से सिनेमा, दूरदर्शन और रेडियो के लिए पटकथा- लेखन करना, श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन कला को समझना तथा संक्षेपण एवं पल्लवन का यथोचित लेखन करना, साथ में लेखन की शुद्धता तथा सुंदरता को ज्ञात करना l हिंदी भाषा के कौशल तंत्र द्वारा प्रिंट मीडिया, रेडियो और दूरदर्शन के लिए विज्ञापन- लेखन की कला को समझना, कंप्यूटर में हिंदी भाषा की स्थिति और उसके भविष्य को ज्ञात करना, पॉवर पॉइंट तथा एम. एस.. वर्ड, एक्सल शीट निर्माण विधि को विदित करना, ब्लॉग लेखन की प्रविधि, महत्व, प्रकार को समझना, इंटरनेट सामग्री- सृजन एवं यू-ट्यूब पर प्रकाशन से ज्ञात होना l

Signature of Teacher